Roll No.
रोल नं.

Series RKM/2 **Code No. 3/2/1**
कोड नं.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 8 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 19 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

HINDI
हिन्दी
(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks: 100*

निर्देश : *(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं — क, ख, ग और घ।*

*(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।*

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड क

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो शब्दों या एक-दो वाक्यों में दीजिए :

(क) भारतीय आर्य-भाषा-परिवार मूलतः किस भाषा से विकसित हुआ है ? 1

(ख) उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों में शासन की भाषाएँ कौनसी हैं ? 1

(ग) उत्तरांचल में बोली जाने वाली किन्हीं दो बोलियों के नाम लिखिए। 1

(घ) प्रयोजनमूलक हिन्दी से आप क्या समझते हैं ? 1

2. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) वाक्य में प्रयुक्त शब्द ______ कहलाता है। (रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त शब्द द्वारा कीजिए) 1

(ख) वह मेरी बात को ध्यानपूर्वक सुन रहा है। (क्रिया-विशेषण पद छाँटकर उसका भेद बताइए) 1

(ग) ___________ तुमने यह क्या कर डाला ? (रिक्त स्थान की पूर्ति उचित अव्यय से कीजिए) 1

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) उसका नाम सदा अमर रहेगा; जिसने देश के लिए प्राणों की आहुति दी है।
(आश्रित उपवाक्य का भेद लिखिए) 1

(ख) हम सब देशप्रेमी नागरिक हैं। (इच्छावाचक वाक्य में बदलकर लिखिए) 1

(ग) किसान हल चलाकर थक गया है। वह अब पेड़ की छाया में बैठा है। वहाँ वह विश्राम कर रहा है। (सरल वाक्य में वाक्य-संश्लेषण कीजिए) 1

(घ) राधा ने पूछा, ''तुम कौन हो'' ? (अर्थ के अनुसार रेखांकित का वाक्य-भेद लिखिए) 1

4. (क) उत्प्रेक्षा **अथवा** श्लेष का कोई एक उदाहरण दीजिए। 1

(ख) रेखांकित अंशों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए :

(i) चारु चन्द्र की चंचल किरणें, खेल रही थीं जल-थल में। 1

(ii) जेते तुम तारे तेते नभ में न तारे हैं। 1

(iii) पहेली-सा जीवन है व्यस्त। 1

खण्ड ख

5. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर लगभग 100 - 125 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 8

(क) **परोपकार**

- शब्द का अर्थ
- सबसे बड़ा धर्म
- प्रकृति से उदाहरण
- सुख और वंश की प्राप्ति
- समाज को लाभ

(ख) **करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान**

- आशय
- सफलता का मूल मंत्र
- उदाहरण
- अभ्यास से लाभ — निपुणता
- सफलता
- लक्ष्य-प्राप्ति का साधन

6. आपके क्षेत्र में वर्षा के अभाव से अकाल जैसी स्थिति हो गई है। स्थिति की गंभीरता की ओर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करने के लिए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। 7

अथवा

गृह-प्रवेश के अवसर पर आयोजित समारोह में निमंत्रित करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

खण्ड ग

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मन की दृढ़ इच्छा-शक्ति को किसी एक काम में केन्द्रित कर देने को एकाग्रता कहते हैं। एकाग्रता पैदा होने पर संसार में ऐसा कोई काम नहीं रह जाता जो पूरा न किया जा सके। यदि जीवन में बुद्धिमानी की कोई साधना है तो वह एकाग्रता है, और यदि कोई ख़राब बात है तो वह है अपनी शक्तियों को बिखेर देना। सफल और असफल मनुष्यों में क्या अंतर होता है ? सफल व्यक्ति अपना कार्य एकाग्रता से करता है, पूरी इच्छा-शक्ति से करता है जबकि असफल व्यक्ति बोझ ढोता है, बहुचित्तता से कार्य करता है, परिस्थितियों को पकड़े रहता है, अवसर से लाभ उठाना नहीं जानता। उसमें वह योग्यता नहीं होती जिससे असफलता को सफलता में बदला जाता है। किसी विचारक ने कहा है कि दुर्बल से दुर्बल प्राणी भी अपनी शक्तियों को एक वस्तु पर केंद्रित करके कुछ-न-कुछ कर सकता है। इसके विपरीत शक्तिशाली भी उन शक्तियों को बहुत-सी बातों में बिखेरकर हर एक काम में असफल हो सकता है। लगातार गिरने वाली बूँदों से कठोर-से-कठोर चट्टान में भी छेद हो जाता है, पर तेजी से बहने वाले पानी का प्रवाह भयंकर आवाज़ करता हुआ निकल जाता है, उसका कोई चिह्न भी पीछे नहीं रह जाता।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ख) एकाग्रता से क्या अभिप्राय है ? 1

(ग) एकाग्रता के अभाव में असफल व्यक्ति में कौनसे अन्य दोष उत्पन्न हो जाते है ? 1

(घ) दुर्बल की सफलता और शक्तिशाली के असफलता के पीछे क्या रहस्य बताया गया है ? 1

(ङ) लगातार गिरने वाली बूँदों और तेजी से बहने वाले पानी का उदाहरण क्यों दिया गया है ? 1

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

क्या देखा है तुमने नर को नर के आगे हाथ पसारे ?
क्या देखे हैं तुमने उसकी आँखों में खारे फव्वारे ?
देखे हैं फिर भी कहते हो कि तुम नहीं हो विप्लवकारी ?
तब तो तुम कायर हो, या हो महा भयंकर अत्याचारी !
अरे चाटते जूठे पत्ते जिस दिन मैंने देखा नर को,
उस दिन सोचा : क्यों न लगा दूँ आज आग इस दुनिया भर को ?

छोड़ आसरा अलख शक्ति का, रे नर, स्वयं जगत्पति तू है,
तू यदि जूठे पत्ते चाटे, तो तुझ पर लानत है, थू है।
ओ भिखमंगे, अरे पराजित, ओ मज़लूम, अरे चिरदोहित,
तू अखण्ड भंडार शक्ति का; जाग, अरे निद्रा-सम्मोहित,
प्राणों को तड़पाने वाली हुंकारों से जल-थल भर दे।
अनाचार के अम्बारों में अपना ज्वलित पलीता धर दे।
तेरी भूख, असंस्कृति तेरी, यदि न उभाड़ सकें क्रोधानल —
तो फिर समझूँगा कि हो गई सारी दुनिया कायर निर्बल।

(क) 'नर के आगे हाथ पसारे' और 'आँखों में खारे फव्वारे' के कारणों को स्पष्ट कीजिए। 1

(ख) नर को जूठे पत्ते चाटते देखकर कवि के मन में क्या प्रतिक्रिया होती है ? 1

(ग) कवि किसका आसरा छोड़कर क्या करने की प्रेरणा देता है ? 1

(घ) कवि ने उपर्युक्त काव्यांश में किस-किसको धिक्कारा है और क्यों ? 1

(ङ) अत्याचारियों और शोषकों के विरुद्ध कवि ने क्या करने की प्रेरणा दी है ? 1

खण्ड घ

9. पाठ्य-पुस्तक के आधार पर निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2+2=8

(क) मनुष्य को सुख कैसे मिलेगा ? बड़े-बड़े नेता कहते हैं, वस्तुओं की कमी है, और मशीनें बैठाओ और उत्पादन बढ़ाओ, धन की वृद्धि करो, और बाह्य उपकरणों की ताकत बढ़ाओ। एक बूढ़ा था। उसने कहा था — बाहर नहीं, भीतर की ओर देखो। हिंसा को मन से दूर करो, मिथ्या को हटाओ, क्रोध और द्वेष को दूर करो, लोक के लिए कष्ट सहो, आराम की बात मत सोचो, प्रेम की बात सोचो, आत्म-तोषण की बात सोचो, काम करने की बात सोचो।

(i) मनुष्य की सुख-प्राप्ति में मशीन और धन की क्या उपयोगिता है ?

(ii) मशीन और धन, सुख-प्राप्ति के कैसे उपकरण हैं ? क्या उनसे सच्ची सुख-शान्ति प्राप्त होती है ?

(iii) 'एक बूढ़ा' कौन था ? 'बाहर नहीं, भीतर की ओर देखो' — उसके इस कथन के अभिप्राय को स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'बूढ़े व्यक्ति' ने सुख-प्राप्ति के लिए किन-किन बातों पर बल दिया था ?

अथवा

(ख) सुन्दर सृष्टि हमेशा ही बलिदान खोजती है, बलिदान ईंट का हो या व्यक्ति का। सुंदर इमारत बने, इसलिए कुछ पक्की-पक्की लाल ईंटों को चुपचाप नींव में जाना है। सुन्दर समाज बने, इसलिए कुछ तपे-तपाए लोगों को मौन-मूक शहादत का लाल सेहरा पहनना है। शहादत और मौन-मूक ! जिस शहादत को शोहरत मिली, जिस बलिदान को प्रसिद्धि प्राप्त हुई, वह इमारत का कंगूरा है — मंदिर का कलश है। हाँ, शहादत और मौन-मूक ! समाज की आधारशिला यही होती है।

(i) सुन्दर सृष्टि के लिए बलिदान क्यों अपेक्षित है ?

(ii) तपे-तपाए लोगों के जीवन-उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

(iii) प्रसिद्धि के लिए दिए गए बलिदान का स्वरूप कैसा होता है ?

(iv) मौन बलिदान को समाज की आधारशिला क्यों कहा गया है ?

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिए : 3+3 = 6

(क) 'मैं और मेरा देश' का लेखक अपने देश के गौरव और सम्मान को बढ़ाने के लिए किस प्रकार के चरित्र-निर्माण की अपेक्षा रखता है ?

(ख) ' 'खाने-खिलाने का राष्ट्रीय शौक' मध्यवर्गीय मानसिकता तथा भ्रष्ट राजनीति पर व्यंग्य करता है।' सोदाहरण टिप्पणी कीजिए।

(ग) 'डायरी के पृष्ठों से' पाठ के आधार पर आज की राजनीतिक और साहित्यिक दलबंदी पर 'निराला' के विचारों पर टिप्पणी कीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 3+3 = 6

(क) 'महामानव निराला' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि निराला जी साहित्य के अतिरिक्त किन-किन क्षेत्रों में प्रवीण थे।

(ख) 'राजस्थान के एक गाँव की तीर्थ यात्रा' पाठ का लेखक श्री बंकर राय को श्रद्धा का पात्र क्यों समझता है ?

(ग) 'नाख़ून क्यों बढ़ते हैं' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि भारतीय चित्त 'इंडिपेंडेंस' को आज भी 'अनधीनता' न मानकर 'स्वाधीनता' क्यों मानता है।

12. (क) 'पूस की रात' कहानी का उद्देश्य संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए। 3

अथवा

'ठूँठा आम' पाठ के आधार पर ठूँठे आम के वैभवपूर्ण दिनों के बारे में बुजुर्ग के वर्णन को अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) 'मैं और मेरा देश' पाठ के आधार पर बताइए कि जय बोलने वालों का क्या महत्त्व है। 2

13. निम्नलिखित में से किसी **एक** काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2+2=8

(क) जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहै।

मूरी के पातनि के बदलैं, को मुक्ताहल दैहे ।।

यह व्यौपार तुम्हारो ऊधौ, ऐसैं ही धर्‌यौ रैहै ।

जिन पै तैं लै आए ऊधौ, तिनहिं के पेट समैहै ।।

दाख छाँड़ि कै कटुक निबौरी, को अपने मुख खैहै ।

गुन करि मोही सूर सावरैं, को निरगुन निरबैहै ।।

(i) गोपियों ने योग और निर्गुण मार्ग को ठगी का सौदा क्यों बताया है और क्यों कहा है कि वह ब्रज में नहीं बिकेगी ?

(ii) गोपियों ने योग-मार्ग की तुलना किस-किसके साथ करते हुए उसकी तुच्छता सिद्ध की है?

(iii) 'जिन पै तैं लै आए _____' पंक्ति में किस पर क्या व्यंग्य किया गया है ?

(iv) 'को निरगुन निरबैहै' काव्यांश के आशय को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

(ख) छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाए,

मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाए।

दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है,

मरता है जो, एक ही बार मरता है।

तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे !

जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे !

(i) अपनी आन की रक्षा कौन कर सकता है तथा अन्याय किसको नहीं झुका पाता ?

(ii) 'दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है' — कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(iii) मरण के मुख पर कौन चरण धरता है और कैसे ?

(iv) स्वाभिमानपूर्वक जीने के लिए कौनसा मार्ग सुझाया गया है ?

14. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** के काव्य-सौन्दर्य सम्बन्धी प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2+2+2+2=8

(क) पारबती सम पतिप्रिय होहू। देबि न हम पर छाँड़ब छोहू ।।
पुनि पुनि विनय करिअ कर जोरी। जौं एहि मारग फिरिअ बहोरी ।।
दरसनु देब जानि निज दासी। लखीं सीयँ सब प्रेम पिआसी ।।
मधुर वचन कहि कहि परितोषीं। जनु कुमुदिनीं कौमुदीं पोषीं ।।

(i) उपर्युक्त काव्यांश के भाव-सौंदर्य की दो विशेषताएँ लिखिए।

(ii) 'पारबती सम' एवं 'जनु कुमुदिनीं कौमुदीं पोषीं' कथनों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए।

(iii) उपर्युक्त काव्यांश के छंद तथा भाषा का नाम बताइए।

(iv) काव्यांश में प्रयुक्त भाषा की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

(ख) मानहु बिधि तन-अच्छछबि स्वच्छ राखिबैं काज ।
दृग-पग-पोंछन कौं करे, भूषन पायंदाज ।।
तो पर वारौं उरबसी, सुनि, राधिके सुजान ।
तू मोहन कैं उर बसी, ह्वै उरबसी-समान ।।

(i) दोनों काव्यांशों में वर्णित भाव-सौंदर्य की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ii) उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों में दो अलंकारों के उदाहरण छाँटिए और प्रयुक्त अलंकार का नाम भी लिखिए।

(iii) काव्यांशों में प्रयुक्त छन्द तथा भाषा का नाम लिखिए।

(iv) दोनों काव्यांशों की भाषा की दो विशेषताएँ बताइए।

15. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 3

(क) 'वक्त' कविता के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'सवेरे-सवेरे' कविता के आधार पर प्रातःकालीन वायु और माँ के साम्य को स्पष्ट कीजिए।

16. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर संक्षेप में दीजिए : 3

(क) 'चुनौती' कविता के आधार पर बताइए कि नियति के विषय में कवि की क्या धारणा थी और वह क्यों बदल गई ?

(ख) तुलसीदास-रचित 'राम वन-गमन' कविता में ग्राम-वधूटियों द्वारा सीता को दिए गए आर्शीवाद-वचनों को अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

17. 'बिहारीलाल' **अथवा** 'नरेश मेहता' का जीवन-परिचय देते हुए उनकी साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए और उनकी किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए। 3

18. 'मधुसंचय' के आधार पर निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 3 = 6$

(क) 'सुभाष चन्द्र बोस का पत्र एन.सी. केलकर के नाम' पाठ को दृष्टि में रखते हुए बताइए कि मांडले जेल में 'गीता रहस्य' जैसे महान् ग्रंथ की रचना से लोकमान्य तिलक के व्यक्तित्व के किस पहलू पर प्रकाश पड़ता है।

(ख) 'काश, मैं मोटर साइकिल होता' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि दुर्घटनाग्रस्त लेखक को घर ले जाने से पहले और बाद में भारत जी के व्यवहार में क्या-क्या परिवर्तन दिखाई देते हैं।

(ग) आशुतोष काका विकास की माता द्वारा दिए गए वस्त्रों को लेने में आना-कानी क्यों कर रहे थे ? 'ऋण-शोध' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'कोटर और कुटीर' कहानी में गोकुल के देर से घर लौटने का क्या कारण था ?

19. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 4

(क) ''सब किसी 'सुख' नामक तोते को किसी तरह पिंजड़े में भर लेने के लिए दौड़-धूप में लगे हैं। क्या न्याय है, क्या अन्याय, यह समझने की उन्हें फुरसत कहाँ ?'' वर्तमान सन्दर्भ में इस कथन की सार्थकता 'समानान्तर सरल रेखाएँ' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए।

(ख) 'मुग़लों ने सल्तनत बख़्श दी' कहानी के माध्यम से तत्कालीन शासन व्यवस्था पर लेखक द्वारा किए गए व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।